सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः, सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भाग्भवेत्।

Eternal Hindu
॥ शाश्वत हिंदू ॥

SAMWAD FORUM सवाद

SHASHWAT DEVALAY

ITHASA

RASHTRA GAATHA

शाश्वत सनातन प्रतिष्ठान

संगठन ऐसे निष्ठावान सनातन मतावलंबियों का एक प्रतिष्ठान है, जिनके मन में सनातन हिंदू धर्म के हित के लिये कुछ न कुछ करने का भाव है, फिर चाहे वो, किसी भी क्षेत्र, संप्रदाय या किसी भी सनातन मतावलंबियों में सक्रिय क्यों न हो। कालक्रम या ऐतिहासिक कारणों से, सनातन हिंदू समाज में प्रविष्ट, जाति, क्षेत्र, भाषा, लिंग आदि की विभाजन और विभेदकारी विकृतियों का संगठन पूर्णतः निषेध करता है।

संकल्प:

1. सनातन हिन्दू समाज में धर्म बोध और शौर्य बोध के पुनर्जागरण के पराक्रम का संकल्प।
2. हिंदू मंदिरों को सामाजिक सक्रियता के केंद्र के रूप में विकसित कर उनको भक्ति और शक्ति केंद्र बनाने का संकल्प।
3. भारत, तदनुसार विश्व इतिहास के कालक्रम को सही करना।
4. सनातन हिन्दू समाज के हर क्षेत्र के प्रतिभाशाली युवक / युवतियों की खोज कर उन्हें प्रोत्साहित करना और राष्ट्र निर्माण के व्यापक अभियान से जोड़ना।
5. आधुनिक संचार माध्यमों का व्यापक उपयोग कर, सनातन समाज के गौरवशाली अतीत और अपने पूर्वजों के पराक्रम से नई पीढ़ी का परिचय कराना।

instagram.com/eternalhindufoundation/
twitter.com/HinduEternal
linkedin.com/in/eternal-hindu-foundation/
facebook.com/hindueternal/

शाश्वत देवालय

राष्ट्र निर्माण के काम, दो घंटे मंदिर के नाम

सनातन हिन्दू समाज में धर्म बोध और शौर्य बोध के पुनर्जागरण तथा मंदिरों को सक्रिय भक्ति केंद्र और शक्ति केंद्र बनाने के लिए प्रतिष्ठान ने शाश्वत देवालय प्रकल्प का शुभारंभ किया है।

उपरोक्त विचार को व्यावहारिक धरातल पर उतारने हेतु प्रतिष्ठान ने "दो घंटे मंदिर के नाम" कार्यक्रम का शुभारंभ किया है।

- **समयदान करें:** सभी को सेवा, शिक्षा, संस्कार और स्वरोजगार के लिए समय दान करने का आह्वान जैसे चिकित्सा (एलोपैथिक, होम्योपैथीप्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेदिक), फिजियोथेरेपिस्ट, नर्स, शिक्षक, प्रोफेसर, नृत्य शिक्षक, योग शिक्षक, संस्कार शिक्षक, संगीत शिक्षक, कानूनी सलाहकार, वित्तीय सलाहकार, व्यवसाय सलाहकार, ज्योतिषी, इंजीनियर, कलाकार, पुजारी, गृहिणी, सेवानिवृत्त – बैंक, सेना, सरकारी अधिकारी।

- **व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक गतिविधियाँ और आयोजन:** व्यक्तिगत उत्सव, सामुदायिक सेवाएं, त्यौहार, सामूहिक उत्सव, सरकारी योजनाओं की जानकारी, सामाजिक समरसता, सामूहिक-यज्ञ, सह-भोज, व्यक्तिगत आशीर्वाद, अवसर निर्माण, बाजार निर्माण, सम्मान, पुरस्कार।

- **सामर्थ्यवान मंदिर:** अन्नशाला, गौशाला, व्यायामशाला, पाठशाला, आरोग्यशाला, धर्मशाला।

हमारी उपस्थिति और गतिविधियाँ ११ से अधिक राज्यों में है। जम्मू, दिल्ली (एन.सी.आर) और नवी मुंबई हमारी गतिविधियों का सघन क्षेत्र है।

shashwatdevalay@gmail.com facebook.com/groups/shashwatdevalay/ facebook.com/shashwatdevalay/

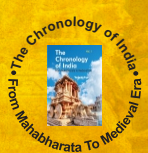

पुरातात्विक, खगोलीय, साहित्यिक, पारम्परिक और पुरालेखीय साक्ष्यों के आधार पर भारत के कालानुक्रमिक इतिहास "मनु से प्रारम्भ कर वर्तमान समय तक" को पुनः स्थापित करने की दिशा में कार्यरत है। हमारा सम्पूर्ण कालानुक्रमिक अध्ययन पूर्णतः वैज्ञानिक शोध पर आधारित है जिसमें पुरातत्व, खगोल, समुद्र, पुरालेख, पुरातत्व और भारत के वास्तविक कालक्रम के साथ विश्व कालक्रम का सामंजस्य जैसे विषय शामिल हैं।

ये **शोध कार्य चार पुस्तकों में प्रकाशित हुआ है:**

- **भारत का कालक्रम:** मनु से महाभारत
- **भारत का कालक्रम:** महाभारत से मध्यकालीन युग (दो खंड)
- **ईसवी संवत की इतिहासिकता:** तथ्य या कल्पना

हम अभी तक विश्व के प्रथम तिथि-पत्र (कैलेंडर) सूर्य-सिद्धांत, अयोध्या का कालक्रम, रामायण युग का इतिहास, काशी का इतिहास, भारत का कालानुक्रमिक इतिहास, भगवान बुद्ध निर्वाण की तिथि आदि का लोकार्पण कर चुके हैं।

हम लगातार सम्मेलनों, कार्यशालाओं, साहित्य, वृत्तचित्रों तथा अन्य माध्यमों द्वारा भारत के कालानुक्रमिक इतिहास को शिक्षाविदों तथा जनसामान्य के बीच स्थापित करने की दिशा में कार्यरत हैं। इसी दिशा में हम विभिन्न संस्थानों और संगठनों के साथ-साथ विभिन्न सरकारी विभागों, विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के साथ काम कर रहे हैं।

इस दिशा में प्रयत्न करते हुए अब तक हम 100 से अधिक विद्वान, शोधार्थी, विशेषज्ञ, इतिहासकार के साथ-साथ कुछ विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों को भी जोड़ चुके हैं। 100 से अधिक कार्यक्रम (ऑनलाइन / ऑफलाइन) कर चुके हैं या सहभागी रह चुके हैं।

Sanatan Bhav Jagruti

Connecting Professionals to Roots

हमारा मानना है कि समाज के प्रत्येक सदस्य में सामुदायिक सेवाओं में योगदान करने की क्षमता है। इस समाज के एक सक्षम और जिम्मेदार सदस्य होने के नाते, इसमें न केवल भाग लें बल्कि एक जागृत और सहयोगी सनातन समाज के निर्माण में प्रमुख धुरी के रूप में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

अब तक हम 35 से अधिक शहरों में 100 से अधिक कार्यक्रम कर चुके हैं, उनमें से कुछ प्रमुख है इस प्रकार हैं: नवी मुंबई, कोल्हापुर, पुणे, लातूर, कोलकाता, कल्याणी, नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, वाराणसी, रायपुर, गगरेट, बीजापुर, अजमेर, जयपुर, जमशेदपुर, विदिशा, ऊना, पुंजावर, तरनतारन, अमृतसर, बटाला, होशियारपुर, जम्मू, कठुआ, सांभा, हीरानगर, लखनपुर, सरोर, हैदराबाद, सुंजना।

मंदिर अर्थव्यवस्था

विश्वगुरु पथ - सतत विकास लक्ष्यों का प्राकृतिक मार्ग

प्राचीन काल में हमारे मंदिर शक्तिशाली सामाजिक संस्था होने के साथ साथ सभी सामाजिक और आर्थिक ग़ातिविधियों का भी भी प्रमुख केंद्र होते थे।

मंदिर ही समाज की शिक्षा, चिकित्सा सेवा, वाणिज्य व व्यापार, कौशल विकास, आर्थिक सहायता आदि के लिय उत्तरदायी होते थे। आज देश को इस दिशा में सोचने के लिय विषय पर विस्तृत शोध कार्य की आवश्यकता है। हमारा ऐसा विश्वास है कि अब भारत का विश्वगुरु के रूप में संसार का नेतृत्व करने का समय आ गया है। हमें देश के भौतिक और आध्यात्मिक उन्नति में हमारे मंदिरों की महत्वपूर्ण भूमिका का अन्वेषण अवश्य करना चाहिए तथा युवा पीढ़ी को इसमें संलग्न करने के लिय दीर्घकालीन योजनाएँ प्रारंभ करनी चाहिए।

Aurobindo Samman

अरविंद सम्मान

महर्षि अरबिंदो घोष के जन्मोत्सव समारोह, 15 अगस्त के अवसर पर 'राष्ट्र निर्माण' में उत्कृष्ट योगदान के लिए व्यक्ति या संगठन के लिए यह सम्मान हैं। महर्षि अरबिंदो एक प्रशासनिक अधिकारी, स्वतंत्रता सेनानी, आध्यात्मिक गुरु थे। सम्मान हेतु देश भर के मंदिरों से प्रविष्टियां आमंत्रित की जाती है।

RASHTRA GAATHA

Know Your Ancestors

SAMWAD FORUM सवाद

सही बात को डट कर बोलें, जो जहाँ है वहीं से बोलें

नई पीढ़ी को अपने पूर्वजों के बारे में जागरूक और जागृत करने की दृष्टि से डिजिटल टूल्स और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करके मोनोलॉग, संवाद, लिखित दस्तावेजों और एनिमेशन के माध्यम से भारत माता के बहादुर और अनसुने नायकों को समर्पित है।

हम 200 से अधिक कार्यक्रम (ऑनलाइन / ऑफलाइन) कर चुके हैं। 350 से अधिक महान पूर्वजों, गुमनाम नायकों, स्वतंत्रता सेनानी, क्रांतिकारी, धर्म रक्षक और राष्ट्र निर्माता की विस्तृत जानकारी के साथ तैयार हैं।

ऑनलाइन उपकरण के माध्यम से सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक और ऐतिहासिक विषयों और ज्ञान के सभी बिखरे विचारों को एक साथ लाकर युवाओं को उससे जोड़ना, सनातन हिन्दू ज्ञान परंपरा को प्रोत्साहन, सांस्कृतिक-विरासत की रक्षा, ऐतिहासिक तिथियों को सुधारना आदि की कार्यसूची के साथ की गयी एक पहल है।

युवाओं को जड़ों से जोड़ने की दृष्टि से, ऑनलाइन और ऑफलाइन उपकरणो जैसे मोनोलॉग, संवाद, लिखित दस्तावेजों, वृतिचित्रों, एनिमेशन और डिजिटल उपकरण का प्रयोग कर, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हम अब तक लगभग 300 कार्यक्रमों का आयोजन कर चुकें हैं।

Supported By

MyINDIA MyGLORY JAI HIND

GC Goa Chronicle

वैधानिक प्रकोष्ठ

भारत केंद्रित तार्किक व वैधानिक समाधान

यह प्रकोष्ठ भारत के तार्किक व वैधानिक समाधान के लिय कार्यरत है, जो कि सनातनी समाज को प्रभावित करने वाले ढाँचे पर शोध तथा इस विषय पर क़ानूनी सलाह देने का राष्ट्रव्यापी कार्य कर रहा है।

इस प्रकल्प द्वारा सनातन समाज को प्रभावित करने वाले विषयों पर बौद्धिक विश्लेषण व चर्चा के लिए ऑनलाइन / ऑफलाइन सत्रों तथा सम्मेलनों के आयोजन के साथ-साथ केंद्र व राज्य सरकारों के विभिन्न शाखाओं, संस्थाओं तथा प्राधिकरणों के समक्ष अपना वैधानिक पक्ष रखने की दिशा में सक्रिय रूप से कार्यरत है।

YouTube Rashtra Gaatha /Rashtra Gaatha

www.eternalhindu.org/rashtragaatha

YouTube Samwad Forum

www.eternalhindu.org/samwadforum

LEADERSHIP

Shri Vijay Kaushal ji Maharaj
Prernashrot

Shri K N Govindacharya
Founder

Shri Pavan Srivastav
Chief Patron

Shri Rajkumar Bhatia
Chief Mentor

Shri A B Shukla
Chief Advisor

Justice S N Srivastav
Legal Cell

Shri Shourya Doval
Temple Economy

Shri Ved Veer Arya
ITIHASA

Dr. Vivek Kumar
Organising Secretary

Major Ramesh Upadhyay
Mukhya Prashikshak

Shri Sanjay Sharma
Convener

Mr. Savio Rodrigues
Press & Media

Shri Anoop Yogi
Sampark Pramukh

Smt. Anita Sharma
Mahila Pramukh

Dr. Ashwani Jojra
Co-convener

Organisation Structure:

Blessing & Marg Darshan: Founder | Chief Mentor | Chief Advisor | Chief Patron
National Beacons: Margdarshak Mandal | Advisory Board | Sanrakshan Samiti | Rashtra Dharma Pracharak
National Executive Members and National Leadership: Convener & Organistion Secretary | **Pramukh**: Vibhag, Prakalp, Mahila, Yuva
National Co-ordinator: Vibhag, Prakalp, Mahila, Yuva
State Beacons: Margdarshak Mandal | Advisory Board | Sanrakshan Samiti | Rashtra Dharma Pracharak
State Executive Members and State Leadership: Convener & Organising Secretary | **Pramukh:** Vibhag, Prakalp, Mahila, Yuva
District Leadership: Convener & Organistion Secretary | **Pramukh:** Vibhag, Prakalp, Mahila, Yuva
Shashwat Devalay: Pramukh & Co-ordinating Committee

शाश्वत सनातन प्रतिष्ठान

Maharashtra: S-38, Parth CHS, Sector-13, Kharghar, Navi Mumbai - 410210
Delhi: Delhi: 49 - Vaishali, Dubey Niwas, 1st Floor, Street No - 1, Palam - Dabri Road, New Delhi - 110045
Himachal Pradesh: Swami Vivekanand School, Gagret, Una, HP - 177201
WhatsApp: +91 86571 44149 / 59 / 69 | **Email:** hindueternal@gmail.com **Website:** www.eternalhindu.org